

MADHAV INSTITUTE OF TECHNOLOGY & SCIENCE, GWALIOR
(Deemed University)

(Declared under Distinct Category by Ministry of Education Government of India)

NAAC ACCREDITED WITH A++ GRADE

AI Insights



Departmental Newsletter: Oct to Dec. 2025

Editorial Member's



**Dr. Rajni Ranjan Singh Makwana, Associate Professor
HoD, Centre for Artificial Intelligence**



**Dr. Tej Singh
Assistant Professor**



**Dr. Neelam Sharma
Assistant Professor**

CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Contents:

- **From Editorial Desk**
- **Student's Achievement**
- **Expert Talk given by the Faculty members outside the institute**
- **Award/Prize/ Recognition by Faculty Members**
- **NPTEL/ATAL/COURSERA/INTERNSHALA courses**
- **Publications**
- **Media Coverage**

CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

From the Editorial Desk

"While headlines swing between utopian hype and existential fear, the real trajectory of AI is being defined by more grounded challenges: an urgent efficiency imperative as economic and environmental costs of scale collide, the complex integration required for true multimodal understanding beyond simple parallel processing, a growing data dilemma where quality and provenance are becoming critical bottlenecks, a necessary shift from pursuing pure autonomy to designing human-augmenting tools, and a widening policy gap where fragmented regulation struggles to keep pace with deployment—making the next decade less about raw capability and more about responsible, sustainable, and integrated advancement"

CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Student's Achievement

- Proud to share that CDT **Diya Badkul, AIDS Final Year student** from 3 MP CTI COY, Gwalior Group, won the Second Prize (Solo Category) at the International Youth Exchange Programme (IYEP) Cultural Competition on 19 November 2025.



CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Student's Achievement



CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Expert Talk on Cyber Security at Air Force Station, Gwalior



Dr R.R. Singh Makwana, HoD, Centre for AI, An insightful expert lecture on Cyber Security delivered at Air Force Station, Gwalior on 25 October 2025, focusing on emerging cyber threats, digital safety, and strategic preparedness in the cyber domain.

CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

NPTEL/ATAL/COURSERA/INTERNSHALA Courses Attended

- **Dr. Satyam Omar** has secured ELITE+SILVER in a 12-week NPTEL course on “Discrete Mathematics” with a consolidated score of 75%.
- **Dr. Satyam Omar** has secured ELITE+GOLD in a 8-week NPTEL course on “Calculus of One Variable” with a consolidated score of 96%.
- **Dr. Satyam Omar** has secured ELITE+SILVER in a 8-week NPTEL course on “Calculus of Several Real Variables” with a consolidated score of 83%.
- **Dr. Anurag Singh Tomar** has secured ELITE + GOLD in the 12-week NPTEL course on "The Joy of Computing using Python", with a consolidated score of 92%.
- **Dr. Anurag Singh Tomar** has secured ELITE + SILVER (TOPPER 5 %) in the 8-week NPTEL course on "Introduction to Machine Learning", with a consolidated score of 79%.

NPTEL/ATAL/COURSERA/INTERNSHALA Courses Attended

- **Dr. Nandkishor Joshi** has completed in the 12-week NPTEL course on "Cloud Computing" from IIT Madras.
- **Dr. Tej Singh**, successfully completing the Faculty Development Program on Modern Web Development & AI Integration under the Next Gen Employability Program from 08 December 2025 – 12 December 2025 .
- **Dr. Neelam Sharma** has secured ELITE+SILVER and FDP in a 8-week NPTEL course on “Ethics in Engineering Practice” with a consolidated score of 75%.

CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

• Award/Prize/ Recognition by Faculty Members



Springer nature BMC Discover palgrave macmillan Birkhäuser Adis

Springer nature BWC DICOAGL Birkhäuser siba

Springer nature BMC Discover palgrave macmillan Birkhäuser Adis

Springer nature BWC DICOAGL Birkhäuser siba

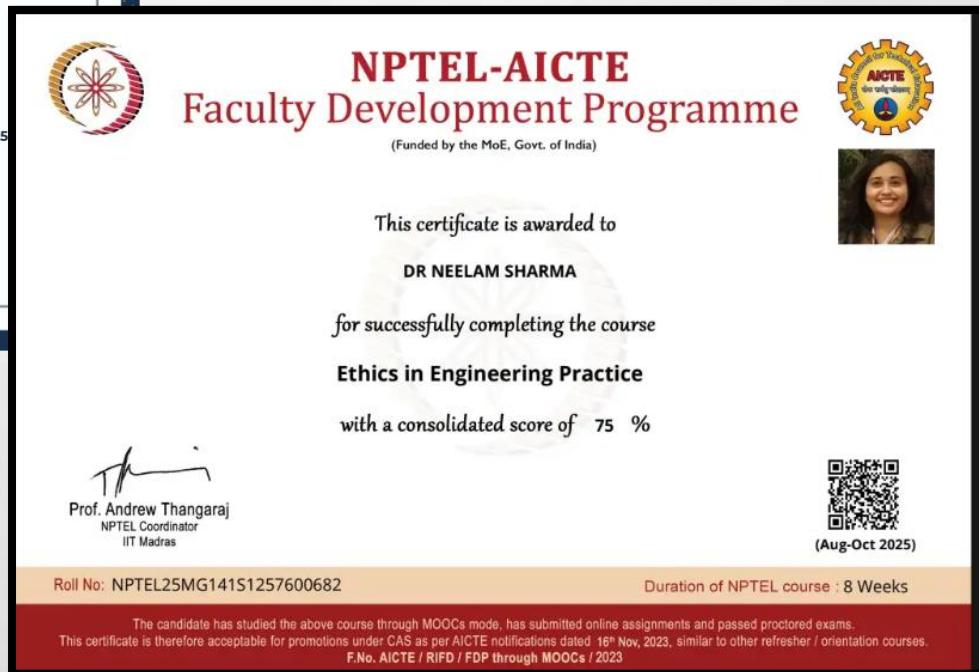
CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

NPTEL/ATAL/COURSERA/INTERNSHALA Courses Attended



CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

NPTEL/ATAL/COURSERA/INTERNSHALA Courses Attended



CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Publication Details

- **Vibha Tiwari et al.**, “Akshar Mitra: A Multimodal Integrated Framework for Early Dyslexia Detection,” *Frontiers in Digital Health*, vol. 7, 2025 , ISSN 2673-253X. . DOI: 10.3389/fdgth.2025.1726307 (SCI, Q1, IF:3.8)
- **Vibha Tiwari et al.**, “Sustainable Automated Remote Healthcare Monitoring and Alarming System Based on Internet of Medical Things,” *International Journal of Applied Mathematics*, Vol. 38, No. 5, pp. 713–723, 2025. DOI: 10.12732/ijam.v38i5.960.
- **Pal, Hardev Singh**, A. Kumar, and Amit Vishwakarma. "A new matrix completion-based compression and reconstruction algorithm for 2D ECG signals." *Biomedical Signal Processing and Control* 115 (2026): 109429. DOI: <https://doi.org/10.1016/j.bspc.2025.109429> (SCIE, Q1, IF 4.9).
- S. Dubey, S. Dubey, S. Malviya, **N. Joshi**, and P. Pranjal, “Sophisticated bio-sensing architecture for anxiety identification using enhanced machine learning techniques,” *Medicine in Novel Technology and Devices*, vol. 28, p. 100405, 2025, doi: 10.1016/j.medntd.2025.100405.

CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Media Coverage



म्यालियर, गुरुवार, 27 नवंबर, 2025

patrika.com

टेक्नोलॉजी: युवाओं में बढ़ रहा डिजिटल एस्ट्रोलॉजी का क्रेज

ज्योतिष में एआइ की एंट्री: ऐप्स बने डिजिटल ज्योतिषी, मिनटों में दे रहे कुंडली विश्लेषण



Patrika Plus
patrika.com

ऑटोमेटिक ऐप्स चुनना क्यों है जरूरी

ज्योतिष ऐप्स यूजर से ज्यादा से जुटी सफेदनसील जानकारी लेते हैं। इसलिए विशेषज्ञ सकारात्मक देते हैं कि किसी भी ऐप्स का उपयोग करने से पहले उसकी विवरण नीतियां जानना चेहरे जरूरी है। हालांकि काही ऐप्स वास्तविक यह-नकारी के आधार पर सटीक विवरण देते हैं, लेकिन करियर, विवाह या कई जीवन-नियंत्रण के लिए एआइ पर पूरी तरह निर्भर होना उपरित नहीं, बल्कि इसकी पोलिशी की सालाह लेना जरूरी है।



युवाओं को पसंद आ रहे फास्ट और कस्टमाइज जवाब

म्यालियर, अटीलियर इंटीलियर अब वेबल टेक्नोलॉजी का उपयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ज्योतिष विज्ञान में भी लेज़ी रो जगह बना रहा है। हाथ चढ़ी रेखाओं, यह-नकारी और जन्म कुंडली के आधार पर भवित्व बनाने की पारंपरिक पद्धति को अब डिजिटल क्षय देने का काम एआइ आवासी एस्ट्रोलॉजी ऐप्स कर रहा है। ये ऐप्स ने विशेष कुंडली का विश्लेषण करते हैं, बल्कि उपयोगकर्ताओं को दियते राशि भवित्वकाली, व्यक्तिगत विवेचन और जीवन से जुड़ी सलाह भी देने लगे हैं।

कैसे काम करते हैं ये एआइ ज्योतिष ऐप्स

एमआइटीएस के एआइ विभाग के प्रोफेसर डॉ. रजनी रजन ने किया बताते हैं कि इन ऐप्स में मर्दीन लार्योग्राम, नेशुरल लीभेज पॉलीटेक डेटा की लकानीका का इस्तेमाल होता है। जैसे ही यूजर जन्म तिथि वार्षिक दिन देता है, ऐप्स ने समय और रसायन दर्ज करता है, रिजल्ट आगे लगते हैं।



- एस्ट्रोरियम कहे ज्योतिषीय युगों को जीवानकर यह-नकारी नीति रिचर्ची का विश्लेषण करता है।
- व्यवसाय के नुस्खे, व्यापा-व्यापाक, युग्म-अनुग्रह समय बताता है।
- नविष्य के लिए उपयोगी भी सुझाता है।
- एस्ट्रोलॉजी की सबद से सरलता भाषा में व्याख्या देता है।
- कहीं ऐप मल्टीलिंग्युअल जन्मवर्जन भी उपलब्ध कराते हैं।

एआइ नहीं ले सकता अनुभव और आध्यात्मिक दृष्टि की जगह

ज्योतिषियां नीतिज्ञानी बोरो वा कलाने हैं कि एआइ ऐप्स नह जानने में जानावाली लाभ होता रहे ज्योतिष को व्याख्याने का एआइ सीख सकता है। एआइ सीख सकता है, लेकिन अनुभव, आध्यात्मिक दृष्टि और भावनात्मक समझ की जगह नहीं ले सकता। बन्दूकान अब भी इसीनी ज्योतिषियों की सबसे बड़ी लाकरत है।



लेज़ी भरी लाइफस्टाइल के लौर में युवा आध करियर, व्यावसाय, फाइनेंस और रिलेशनशिप जैसे विषयों पर चुरत और कास्टमाइज सकार चलते हैं। पारंपरिक ज्योतिष जहां समय और अनुभव पर आधारित होता है, वहीं एआइ ऐप्स जन्म विवरण डालते ही मिनटों में भविष्यवाही लेयार कर देते हैं।

CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Media Coverage

प्रेस की तैयारी के लिए

प्रतिक्रियाएँ में सामूहिक प्रस्तुतियों से समृद्ध हैं जिसमें समृद्ध नृत्य व इस्ट्रॉमेटल बैंड की प्रस्तुतियों ने दरकार का मन मोह लिया। कार्यक्रम में स्कूल कलासिकल, ओपन कलासिकल, स्कूल संगीत कलासिकल, ओपन संगीत कलासिकल,


स्कूल फोक और ओपन कैटेगरी में साइबरियन के कलाकारों ने अपने देश नृत्य की प्रस्तुतियां हूईं जिसमें देश के की लोक संस्कृति को मनोहक रूप विभिन्न राज्यों की टीमों सहित प्रशियन में प्रस्तुत कर अपनी प्रतिपा को फेडरेशन, रिपब्लिक आंक तृत्वा, प्रदर्शित किया।

पत्रिका प्लस@व्हालियर, लायंस गवर्नर एमजे एक सुधीर वाजपेई, मुख्य कलब औजस ने जर्जरमद दिव्यांजलों के लिए सहायक उपकरण वितरण अध्यक्ष नीलम अग्रवाल, अध्यक्ष अजय कपूरक्रम में रविरंग को व्हालियर, वाजपेई, रमेश श्रीवत्सव, जे एस गुरु, स्टिकर इंडियन एड सहित अन्य सर्टेंट यादव, संदीपा भवत्रात्रा, सुनील चिकित्सा उपकरण वितरित किए। इस शमा, अजय सप्त्रा सहित अन्य सदस्य अवसर पर मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट उपस्थित रहे।

एंकर स्टोरी

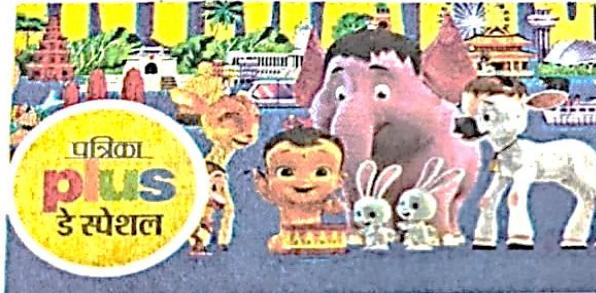
पहले लगते थे घंटों, अब कुछ किलक में तैयार हो रहा पूरा सीवेंस

एआइ का कमाल: एनीमेशन की दुनिया में क्रांति, जटिल प्रक्रिया हुई आसान, कैरेक्टर डिजाइनिंग में मिली नई उड़ान



patrika plus रिपोर्टर
patrika.com

व्हालियर, एनीमेशन की दुनिया में अब रचनात्मकता को नया पंख मिल गए हैं। जहां पहले एक छोटे दृश्य को तैयार करने से घंटों की मेहनत और कई तकनीकी जटिल राह से गुजरना पड़ता था, वहां अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने इस पूरी प्रक्रिया को बेहद सरल बना दिया है। पहले किसी कैरेक्टर की चाल, चेहरे के हावधार, बैक्ग्राउंड तैयार करने के लिए एनीमेटर्स को कई फ्रेम्स और सॉफ्टवेयर पर लंबा समय देना पड़ता था लेकिन आज एआइ की मदद से कुछ ही किलक पूरा सीवेंस तैयार किया जा सकता है।



एआइ से रियल्टी का एहसास

वॉइस, लाइटिंग, कैरेक्टर डिजाइनिंग से एआइ रियल्टी का अहसास करता है। मरीन लनिंग आधारित टूल्स कलाकार के विचारों को समझकर उन्हें दृश्य में ढाल ढालकर रचनात्मकता को नया आयाम प्रदान कर रहे हैं। एआइ से न केवल ड्राइंग और मूवमेंट आसान हुई है बल्कि आवाज, लाइटिंग, केमरा एंगल और डायलोग सिक्कोनाइजेशन में भी मदद कर रहा है। जिससे क्रिएटर्स और विद्यार्थियों को भी एनीमेशन को एनीमेशन बनाना पहले के मुकाबले काफी आसान हुआ है।

एक्सपर्ट व्यू

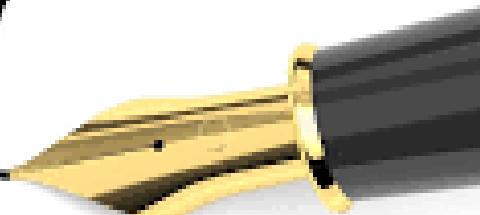
प्रोफेसर रजनी रंजन, एआइ विभाग एचओडी, एमआईटीएस सोशल मीडिया पर एनीमेशन आधारित वीडियो की बाढ़ किसी तरह की जटिल प्रक्रिया को अपनाए थिना रचनाकार अपने विचारों को सीधे टेक्स्ट फॉर्म से एनीमेशन में बदल सकता है। जो एआइ की वजह से संभव हुआ है।

इस तरह की वीडियो सोशल मीडिया पर काफी अधिक वायरल हो रही हैं। क्रिएटर्स विभिन्न तरह के रचनात्मक, फैटसी आइडियाज को एनीमेशन का रूप दे रहे हैं जो यूजर्स द्वारा काफी पसंद भी किया जा रहा है।



CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Thank
you



CENTRE FOR ARTIFICIAL INTELLIGENCE